छत्तीसगढ़
सहकारी समाचार

वर्ष- 23 | अंक - 7 | जुलाई 2026 प्रथम पाक्षिक | RNI NO. CHHHIN/2012/45105 | प्रकाशन तिथि 20 जुलाई | पृष्ठ-12 मूल्य 500/- वार्षिक

सहकारिता से बढ़ेगी किसानों की आय, विकसित छत्तीसगढ़ की नींव होगी मजबूत : सीएम साय

- सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन आयोजित
- 162 करोड़ से अधिक की तेंदूपत्ता प्रोत्साहन राशि वितरण का शुभारंभ, 1352 नई सहकारी समितियों के
- गठन से गांवों तक पहुंचा सहकार का विस्तार
- पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मिल रहा है बढ़ावा
- किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है सहकारिता
- उत्कृष्ट सहकारी समितियों को सहकार प्रेरणा पुरस्कार से किया गया सम्मानित, महिला स्व सहायता समूह को वितरित किया गया लाभांश

सहकारिता से मेरा बचपन का नाता : साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, मैं किसान का बेटा हूं और बचपन से ही सहकारिता से मेरा गहरा रिश्ता रहा है। तभी से मुझे विश्वास था कि सहकारिता के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' का वही सपना धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में उन्हें राज्यमंत्री के रूप में साथ काम करने का अवसर मिला और उन्होंने किसानों के प्रति प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता तथा समर्पण को बहुत करीब से देखा है। किसानों के कल्याण के प्रति इसी प्रतिबद्धता के कारण प्रधानमंत्री ने कृषि मंत्रालय का दायरा बढ़ाते हुए उसका नाम 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' किया, ताकि किसानों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता बने। सहकारिता किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा मिली है और इसका लाभ सीधे किसानों एवं ग्रामीण परिवारों तक पहुंच रहा है।

कई क्षेत्रों में सहकारिता को कर रहे मजबूत

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार केवल कृषि ही नहीं बल्कि पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में व्यापक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। राज्य सरकार पशुपालन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। श्री साय ने कहा कि, पहले किसानों को खेती-किसानी के लिए 16 से 18 प्रतिशत दर पर ऋण लेना पड़ता था और भारी-भरकम ब्याज का बोझ उन्हें आर्थिक रूप से परेशान कर देता था। आज सहकारिता व्यवस्था और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से किसानों को बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के 15 लाख से अधिक किसानों को 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया गया है, जिससे किसानों को खेती के लिए सुलभ वित्तीय सहायता मिल रही है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।

दो साल में सहकारिता के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व काम

सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि, सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूरे होना देश के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर 29 जून से 06 जुलाई तक सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में छत्तीसगढ़ में सहकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सहकारिता का मूल उद्देश्य है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की कोई भी पंचायत सहकारिता से वंचित न रहे, इस दिशा में कार्य करते हुए राज्य में 1352 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है।

इनकी भी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेंद्र साहू, प्राधिकृत अधिकारी विपणन संघ श्री शशिकांत द्विवेदी, सहकार भारती के श्री कनिराम, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी श्री सौरभ शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी अंत्यावसायी वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार बेसरा, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री भोजराम देवांगन, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्षगण, सहकारिता सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, आयुक्त सहकारिता श्री रमेश शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारी, किसान एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय का गठन देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है। यह निर्णय 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने वाला है। डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ में सहकारिता के माध्यम से किसानों, वनवासियों, महिला समूहों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सहकारी सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर उत्कृष्ट समितियों को सहकार प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया तथा संग्रहण वर्ष 2023 के 7.14 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए 162 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि के वितरण का शुभारंभ किया।

सहकारिता विभाग के ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सहकारिता विभाग के ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसानों का पंजीयन पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने सहकारिता से जुड़े विभिन्न स्टालों का किया अवलोकन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न सहकारी संस्थाओं द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया और सहकारिता के माध्यम से किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों तथा वनधन समितियों द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ, हरित क्रांति आदिवासी सहकारी समिति जशपुर, महामाया बहुउद्देशीय सहकारी समिति कोरबा, बिलासा हैंडलूम एम्पोरियम, छत्तीसगढ़ हर्बल्स, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड), छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ, इफ्को तथा गंगा मैया दुग्ध उत्पादक संघ बालोद सहित विभिन्न संस्थाओं के स्टॉलों का अवलोकन कर उनके कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में 5 नवीन पैक्स समितियों को माइक्रो एटीएम वितरित किए तथा छत्तीसगढ़ हर्बल्स के पांच नए उत्पादों का लोकार्पण किया। उन्होंने उत्कृष्ट तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए, वन-धन समितियों की हैंडबुक का विमोचन किया, महिला स्व-सहायता समूहों को लाभांश वितरित किया तथा विभिन्न हितग्राहियों को सामग्री, प्रोत्साहन राशि और केसीसी ऋण वितरित किए।

देश की आज़ादी की शताब्दी तक 'समृद्ध भारत' की मजबूत नींव सहकारिता आंदोलन होगा : अमित शाह

- **सहकारिता मंत्री ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया**
- **प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष में सहकारिता से जुड़े 30 करोड़ लोगों को नई ऊर्जा मिली**
- **सहकारिता के माध्यम से किसानों के उत्पाद को गांव से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने और भारत को बीज उत्पादन में अग्रणी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है**

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर और श्री मुरलीधर मोहोल, राजस्थान के मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास, सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री आतिश चंद्र, पशुपालन और डेयरी विभाग सचिव श्री नरेश पाल गंगवार सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं, सहकारी महासंघों, सहकारी बैंकों, डेयरी सहकारी समितियों, भारत टैक्सी, पैक्स और सहकारिता क्षेत्र के अन्य हितधारकों ने भी भाग लिया।

सहकारी संस्थाओं की 75 वर्षों से चली आ रही प्रतीक्षा पूरी हुई

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत शुभ है। आज से ठीक पाँच वर्ष पहले सहकारिता से जुड़े देश के 32 करोड़ लोगों और 30 क्षेत्रों की 8 लाख 50 हजार से अधिक सहकारी संस्थाओं की 75 वर्षों से चली आ रही प्रतीक्षा पूरी हुई थी। आज ही के दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत सरकार में स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था।

ग्रामीण विकास और कृषि से जुड़े सभी क्षेत्रों पर विशेष बल

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब भी हमारी पार्टी या गठबंधन को शासन का अवसर मिला, हमने ग्रामीण विकास और कृषि से जुड़े सभी क्षेत्रों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि अटल जी जब प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने जनजातीय मंत्रालय की स्थापना की। वर्ष 2019 में मोदी जी ने जल शक्ति मंत्रालय की शुरुआत की, जिससे जल प्रबंधन को समग्रता के साथ एक मंत्रालय के अधीन लाया गया। उसी वर्ष मत्स्य पालन मंत्रालय बनाया गया। उसी साल पशुपालन और डेयरी मंत्रालय को अलग से स्थापित किया गया, और 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर मोदी जी ने कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बड़ा क्रांतिकारी कदम उठाया।

सहकारिता में दखलंदाजी का सवाल ही नहीं है

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि पाँच साल पहले जब सहकारिता मंत्रालय की स्थापना हुई थी, तब सबसे बड़ा विवाद यह कर कर पैदा किया गया था कि भारत के संविधान में 'सहकारिता' राज्य का विषय है, लेकिन केन्द्र सहकारिता मंत्रालय गठित कर राज्यों के काम में दखलंदाजी करेगा। उन्होंने कहा कि पाँच साल बीत गए, लेकिन अब तक विरोधी दलों द्वारा शासित राज्यों ने भी कभी शिकायत नहीं की कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय किसी तरह की दखलंदाजी कर रहा है और यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सहकारिता को समझने वाले जानते हैं कि सहकारिता में दखलंदाजी का सवाल ही नहीं है। सबको साथ लेकर चलना, सबके सहयोग से चलना और सबकी शक्तियों को जोड़ते जाना ही सहकारिता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने पांच वर्षों में सिद्ध कर दिया है कि सहकारिता मंत्रालय राज्यों के काम में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि राज्यों की मदद करने के लिए, नीति निर्माण के लिए और उनके उत्कर्ष के लिए गठित किया गया है।

पूरी सहकारी व्यवस्था को पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाया

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि हमने बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम 2002 में 50 महत्वपूर्ण संशोधन करके पूरी सहकारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाया है। इन संस्थाओं के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि इनका नेतृत्व सहकारिता से जुड़े लोगों के हाथ में था, लेकिन इनके प्रशासन व गवर्नेंस को पेशेवर ढंग से संचालित किया जाता है। इसी सफल मॉडल को अपनाने के उद्देश्य से त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी शुरू की।

पैक्स के लिए मॉडल बायलॉज तैयार किए

श्री अमित शाह ने कहा कि पैक्स के सुदृढ़ीकरण का दूसरा कदम उठाया गया। एक समय पैक्स अनेक प्रकार के काम करती थीं, लेकिन धीरे-धीरे वे केवल निश्चित ब्याज दर पर पैसा लेने और देने तक सीमित हो गईं। इससे उनका मुनाफा सिकुड़ता गया। हमने पैक्स के लिए मॉडल बायलॉज तैयार किए। आज बंगाल सहित पूरे देश ने इन मॉडल बायलॉज को स्वीकार कर लिया है। आज पूरे देश के पैक्स एक ही मॉडल बायलॉज के तहत कार्य कर रहे हैं। आज 55,000 पैक्स सीएससी के माध्यम से गांव के लोगों को 300 से अधिक सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। वहां से रेल टिकट बुक होती है, जन्म-मृत्यु पंजीकरण होता है, प्रधानमंत्री जी की योजनाओं के लिए आवेदन और पेमेंट भी वहीं से प्राप्त हो जाता है। इस प्रकार 300 विभिन्न गतिविधियों को 55,000 पैक्स के माध्यम से हम सीएससी सेवाएं दे रहे हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि 39,000 पैक्स किसान समृद्धि केंद्र बन चुके हैं। 600 से अधिक पैक्स जन औषधि केंद्र बन चुके हैं। 75 पैक्स पेट्रोल और डीजल के खुदरा आउटलेट चला रहे हैं। 118 पैक्स जल आपूर्ति योजनाओं का रखरखाव कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि भारत सरकार ने 3,000 करोड़ रुपये खर्च करके पैक्स को कंप्यूटराइज करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज 50,000 पैक्स ई-पैक्स के रूप में घोषित हो गए हैं, जिनका पूरा कारोबार इलेक्ट्रॉनिक तरीके से चल रहा है, जो बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सहकारी क्षेत्र में क्रेडिट का प्रवाह बढ़ाया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमने तीसरा काम सहकारी क्षेत्र में क्रेडिट का प्रवाह बढ़ाने का किया है। सहकारी बैंकों को आधुनिक बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा गया है। डिजिटल भुगतान शुरू किया गया, साइबर सुरक्षा सुनिश्चित की गई, ई-केवाईसी शुरू की गई, और डिजिटल लोन जैसी व्यवस्थाओं के साथ धीरे-धीरे हमारे अर्बन कोऑपरेटिव बैंक और डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक आगे बढ़ रहे हैं। डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंकों का कुल व्यवसाय पहले 19.6 लाख करोड़ रुपये था, जो आज 25 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है।

राज्यों को भविष्यमुखी नीतियां उपलब्ध कराई

श्री अमित शाह ने कहा कि हमने इन पांच वर्षों में समस्याओं की पहचान की है, संभावनाओं को तराशा है और राज्यों को भविष्यमुखी नीतियां भी उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि बीते पांच वर्ष सहकारिता मंत्रालय के लिए स्वर्णिम काल साबित हुए हैं। जब भी भारत में सहकारिता आंदोलन का इतिहास लिखा जाएगा, तो निश्चित रूप से यह काल स्वर्णमयी अक्षरों में दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पैक्स से लेकर एपेक्स तक, राज्य सरकारों से लेकर जिला स्तर के सहकारी संघों तक, हर स्तर पर व्यापक परामर्श के बाद हमने अपनी पहलों को परिणाम में बदला है।

हमने सहकारिता का कार्यक्षेत्र बढ़ाया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 62 वर्षों तक कृषि मंत्रालय के अंतर्गत मात्र एक संयुक्त सचिव के स्तर पर सहकारिता का कार्य संचालित होता था। आज पूर्ण रूप से स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय सभी राज्यों और देशभर की 8 लाख 30 हजार सहकारी समितियों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते पांच वर्षों में हमने न केवल अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, बल्कि हमारी सहकारी व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी, तकनीकी रूप से सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाने का काम भी किया है। पहले सहकारिता सीमित रूप से केवल प्राथमिक क्षेत्र तक ही थी। हमने कृषि ऋण, डेयरी, उर्वरक वितरण और ग्रामीण सेवाओं को प्राथमिक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जोड़ा है। साथ ही सेकेंडरी और टर्शरी क्षेत्रों को भी इससे जोड़ने का कार्य किया है। इन नौ समितियों के माध्यम से देश से लेकर गांव तक सहकारिता को नौ अलग-अलग क्षेत्रों में पिरोया गया है। उन्होंने कहा कि जैसे इफको, कृभको, अमूल और एनडीडीबी ने सहकारिता आंदोलन की पहचान बनाई है और पूरे विश्व स्तर पर इसे प्रतिष्ठित किया है, उसी प्रकार हमारी नौ राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियाँ भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी सहकारी समितियां बन जाएंगी।

सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्षों में पांच बड़ी पहल

श्री अमित शाह ने कहा कि आज सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्षों में हमने पांच स्तंभों के रूप में पहल की है। इन पांच स्तंभों में पहले स्तंभ के तहत हमने संस्थागत सुधार, सुशासन और पारदर्शिता को मजबूत किया है। इसके लिए सहकारिता का एकीकृत डेटाबेस तैयार किया गया है। आज हर राज्य के सहकारी रजिस्ट्रार के पास यह जानकारी उपलब्ध है कि कौन से गांव में पैक्स नहीं है, कहां डेयरी नहीं है, कहां अर्बन हाउसिंग सोसाइटी नहीं है। ये सभी चीजें अब चिन्हित हैं और इन्हीं के आधार पर सहकारिता आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि 30 क्षेत्रों की 8,58,000 सहकारी समितियां और 32 करोड़ सदस्य आज एक साथ एक डेटाबेस में उपलब्ध हैं। इसमें सभी सहकारी समितियों का ऑडिट स्टेटस, टर्नओवर और क्रष्ट ग्रेडेशन भी उपलब्ध है। राज्य के सहकारी रजिस्ट्रार इसका उपयोग करके सोसाइटियों को अपग्रेड कर सकते हैं, डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक और राज्य डेयरी के साथ ग्रामीण स्तर पर काम करने वाली डेयरियों और पैक्स को अपग्रेड कर सकते हैं तथा जहां वैक्यूम है, उसे भरने का काम कर सकते हैं।

जिला सहकारी बैंकों की जमा राशि में बढ़ोतरी हुई

श्री अमित शाह ने कहा कि अकेले गुजरात में डेयरी, एपीएमसी, पैक्स और हर प्रकार की सहकारी समितियों के खाते सहकारी बैंकों में खोलने के कारण जिला सहकारी बैंकों की जमा राशि में बढ़ोतरी हुई है। इन प्रयासों से ढेर सारे जिला सहकारी बैंक घाटे से मुनाफे में आ गए हैं। अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का नेट प्रॉफिट लगभग दोगुना हो चुका है। पिछले पांच वर्षों में हमने इन बैंकों का सकल एनपीए 12.8 प्रतिशत से घटाकर 6.2 प्रतिशत पर लाए है और शुद्ध एनपीए को 5.1 प्रतिशत से घटाकर 0.7 प्रतिशत पर लाने में सफलता प्राप्त की है। इससे जनता का भरोसा बढ़ा है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से इन सभी कार्यों को आगे बढ़ाने से भी विश्वास और मजबूत होता है। एनसीडीसी का नेट एनपीए भी अब नगण्य हो गया है। यह देश की जनता को और सहकारिता की आलोचना करने वालों को स्पष्ट जवाब है कि छोटे-छोटे लोग इकट्ठा होकर बहुत बड़ा काम कर सकते हैं। श्री शाह ने कहा जब देश 15 अगस्त 2047 को आजादी की शताब्दी मनाएगा, तब समृद्ध भारत की एक मजबूत नींव हमारा सहकारिता आंदोलन होगा।

सहकारिता के बाजार लिंकेज को मजबूत किया

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा, हमने सहकारिता के बाजार लिंकेज को भी मजबूत किया है। निर्यात और जैविक उत्पादन के लिए तीन नई सहकारी समितियां बनाई गई हैं। डेयरी क्षेत्र में सर्कुलर इकोनॉमी को शत-प्रतिशत जमीन पर उतारने के लिए तीन और सहकारी समितियां बन चुकी हैं। हम नमक के क्षेत्र में भी प्रवेश कर चुके हैं। पहले किसान का उत्पाद गांव से मंडी तक पहुंचता था, अब सहकारिता के माध्यम से किसान का उत्पाद पूरी दुनिया तक पहुंच रहा है।

रायपुर। सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत नवा रायपुर स्थित मार्कफेड मुख्यालय में आयोजित एक दिवसीय सहकारी संगोष्ठी में प्रमुख रूप से सहकार भारती के महामंत्री कनीराम, छग राज्य सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी सौरभ शर्मा, छग राज्य विपणन सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी शंशिकांत द्विवेदी, प्रदेश संयोजक प्रवीण दुबे, सह संयोजक मुरलीधर सिंहा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिंन्हा आदि उपस्थित थे।

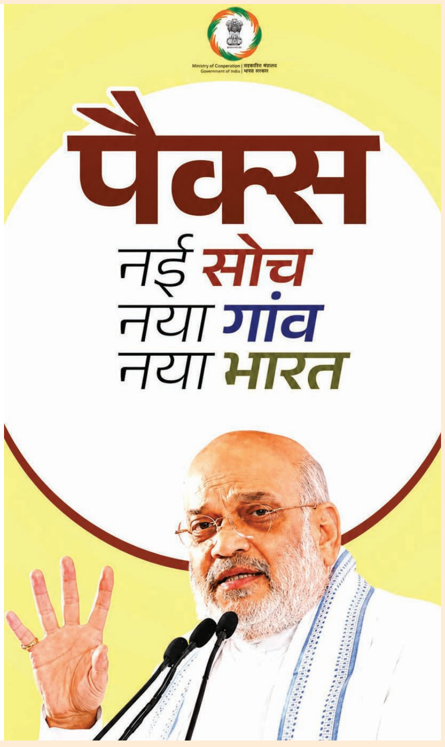

20 अलग-अलग गतिविधियों को नए उपबंधों के माध्यम से हमने पैक्स को जोड़ा है। भारत सरकार ने 3000 करोड़ खर्च करके पैक्स को कंप्यूटराइज करने का काम किया है। आज 5000 पैक्स ई पैक्स के रूप में घोषित हो गए हैं। जिनका पूरा कारोबार इलेक्ट्रॉनिक तरीके से चल रहा है।

आज यहां से मैं देश भर के सहकारिता आंदोलन से जुड़े हुए सभी लोगों को विश्वास देना चाहता हूं। जैसे इफको कृभको अमूल हमारा एनडीबी इस सहकारिता आंदोलन की पहचान बना है ना केवल भारत विश्व भर में पहचान बना है। उसी तरह से हमारे नौ इनिशिएटिव 10 साल के बाद अपने अपने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे बड़ी कोऑपरेटिव बनेंगे। इसका मुझे पूरा विश्वास है।

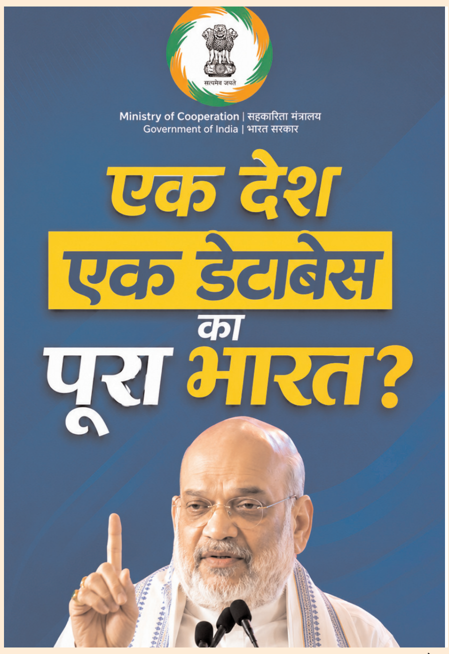

30 क्षेत्रों की 8 लाख 58,000 सहकारी समितियां और 32 करोड़ सदस्य एक साथ एक डेटाबेस के अंदर आज उपलब्ध है और इसमें सभी कोऑपरेटिव्स का ऑडिट का स्टेटस सभी कोऑपरेटिव का टर्नओवर और एबीसी ग्रेडेशन भी उपलब्ध है। जिसका उपयोग कर कर राज्य के सहकारिता रजिस्ट्रार सोसाइटियों को अपग्रेड करने का काम कर सकते हैं। डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक और राज्य के डेयरी के संघ ग्रामीण स्तर पर काम करने वाली डेरियां और पैक्स को अपग्रेड करने का काम कर सकते हैं। और जहां वैक्यूम है वह वैक्यूम को भरने का भी काम है।

नरेंद्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर आज सहकारिता आंदोलन को और एक सदी तक आगे बढ़ाने का बहुत बड़ा काम किया है और उनके एक फैसले से ही सहकारिता से जुड़े करोड़ों लोग जैसे बीमार पड़े पड़े हुए फेफड़े की बीमारी से ग्रस्त दर्दी को ऑक्सीजन एक नए प्राण संचारित करता है। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना ने सहकारिता क्षेत्र को प्राण वायु देने का काम किया है।

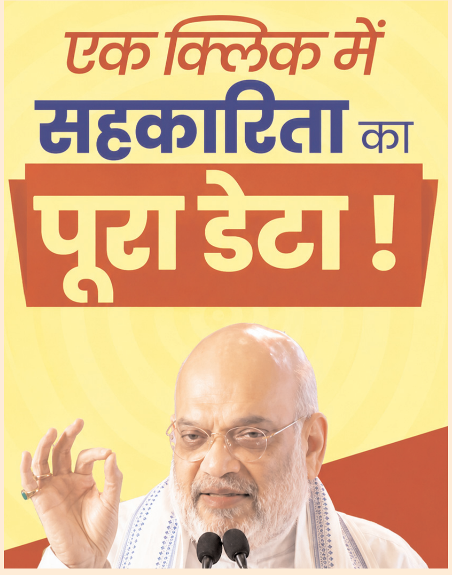

आज सहकारिता मंत्रालय के पांच नए इनिशिएटिव में पांच स्तंभों में हमने जो काम किया है उसको मैं बताना चाहता हूं। पहला काम संस्थागत सुधार सुशासन और पारदर्शिता की मजबूत नीव डालने का काम किया। हमने इसी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सहकारिता का डाटा बेस तैयार किया है। आज मेरे टेबल पर एक कंप्यूटर उपलब्ध है जिसमें एक राज्य डालने से कितने प्रकार की सहकारिता समिति ये राज्य में उपलब्ध है वो डाटा आता है। फिर एक जिला डालते हैं तो वह जिलों की आती है। फिर एक तहसील डालते हैं तो वह तहसील की आती है। और एक गांव डालते हैं तो वह गांव की भी सारी सहकारी समिति देश के सहकारिता मंत्री के टेबल पर दिखाई देती है।

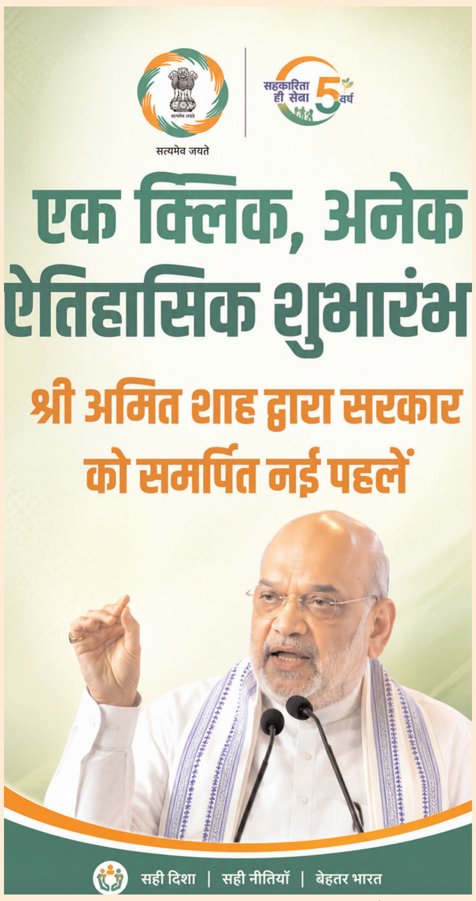

ये सिर्फ पहले नहीं, सहकारिता से समृद्ध और विकसित भारत की मजबूत नींव है।

पहले सहकारिता प्राथमिक क्षेत्र तक लिमिटेड थी। हमने कृषि ऋण, डेयरी, उर्वरक वितरण और ग्रामीण सेवाएं ये सभी को प्राथमिक से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ने का काम किया है। सेकेंडरी और टर्शरी क्षेत्रों में भी उसको जोड़ने का काम किया है। भंडारण, उत्पादन, एक्सपोर्ट, जैविक उत्पादन, परंपरागत बीजों का उत्पादन, ज्यादा उत्पादन देने वाले बीजों का निर्माण, डिजिटल सेवाएं, बैंकिंग, मोबिलिटी, लॉजिस्टिक और हरित ऊर्जा ये सबको एक माला में पिरोने का काम यह 5 साल में किया है।

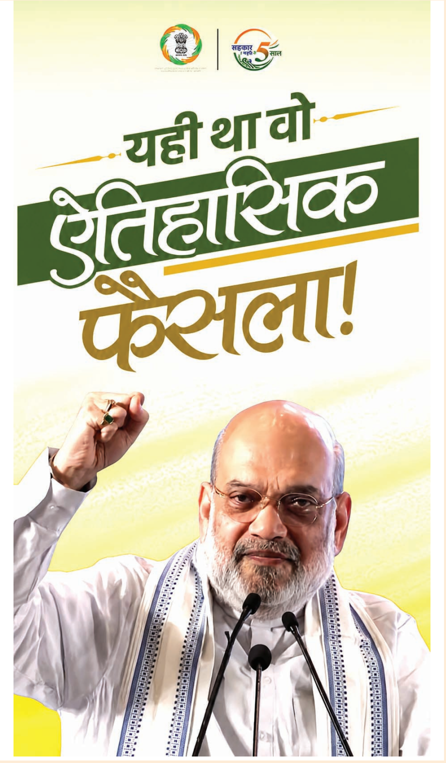

सहकारिता से जुड़े हुए देश के 30 करोड़ लोग और 8 लाख 50 हजार से ज्यादा कोऑपरेटिव्स जिसकी 75 साल से राह देख रही थी आज से ठीक 5 साल पहले नरेंद्र मोदी जी ने स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार में प्रस्तापित करने का निर्णय आज के ही दिन किया था।

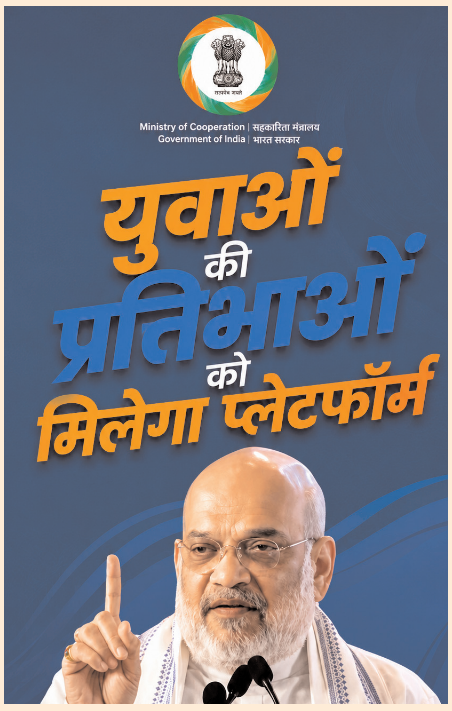

पहले प्रतिभाएं थी मगर प्लेटफार्म नहीं था। अब उन प्रतिभाओं को यूनिवर्सिटी प्लेटफार्म देने का काम कर नई दिशा तो दिखाई थी त्रिभुवन काका जैसे लोगों ने परंतु मार्गदर्शन नहीं था। आत्मनिर्भरता थी परंतु पूंजी नहीं थी। पूंजी कैसे प्राप्त की जाए और प्राप्त की हुई पूंजी कैसे मुनाफे के साथ लौटाई जाए इसकी तजज्ञता भी यहीं से आएगी और योजनाएं तो बनती थी मगर जमीन पर नहीं उतरती थी। 2 लाख पैक्स और पुराने 85000 पैक्स के माध्यम से सभी योजनाओं को जमीन तक उतारने का काम ये त्रिभुवन सहकारिता योजना ने किया हैं।

मैं सिर्फ डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक का ही डाटा देना चाहता हूं। हमारा कुल व्यवसाय 19.6 लाख करोड़ था। वो आज 27 लाख करोड़ को पार कर गया। ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। आज गुजरात के एक प्रयोग की भी मैं बात करता हूं। सहकारिता में सहकार हर सहकारी समिति का अकाउंट सहकारी बैंक में खोला जाए।

सबको साथ लेकर चलना, सबके सहयोग से चलना, सबकी शक्तियों का प्लस प्लस प्लस करते जाना वही सहकारिता है। और आज सहकारिता मंत्रालय ने 5 साल में यह सिद्ध कर दिया है कि सहकारिता मंत्रालय राज्यों के काम में दखल के लिए नहीं है। राज्यों के काम में मदद करने के लिए है। नीति निर्माण के लिए है और उनके उत्कर्ष के लिए है।

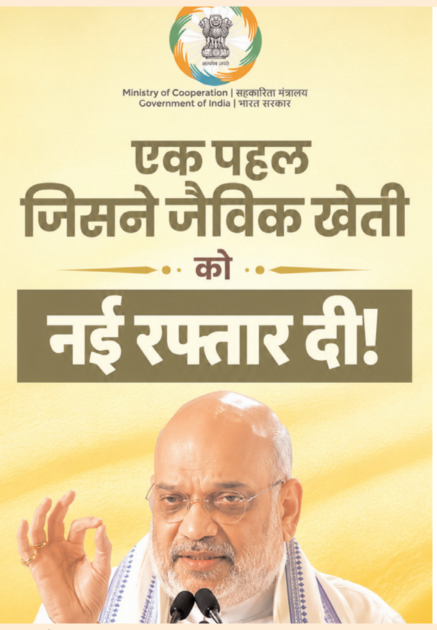

मैं एनसीओएल की भी बात करना चाहता हूं। आज बहुत जरूरत है कि ऑर्गेनिक उत्पाद बढ़ाए जाए। हमारी भूमि का संरक्षण अगर हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा? और हमारे 140 करोड़ की आबादी और विश्व भर के लोगों के स्वास्थ्य की चिंता भी करने की जिम्मेदारी भारत के किसान की है। ऑर्गेनिक उत्पाद को देश का किसान बढ़ाएं और यह गलतफहमी है कि केमिकल फर्टिलाइजर के उपयोग को बंद करने से आने वाले दिनों में यह सिद्ध हो गया है। एक 5 साल में सिद्ध हो गया है कि उत्पादन कम नहीं होता है बल्कि ज्यादा होता है और भूमि का भी संरक्षण होता है

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस : सहकारिता के भविष्य पर हुआ मंथन

■ विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में सहकारिता की भूमिका पर हुई पैनल चर्चा

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर राजधानी स्थित कृषि मंडपम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, लाभांडी में सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की भूमिका पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता, मार्कफेड के प्राधिकृत अधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर के अध्यक्ष श्री रामकिशुन सिंह ने किया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के गठन के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी

श्रृंखला में विगत 4 जून को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर यह विशेष आयोजन किया गया।

विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका पर चर्चा: पैनल चर्चा में विकसित भारत-2047 के लिए सहकारिता क्षेत्र से अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपज सहकारी समितियों की भूमिका, दुग्ध सहकारिता के विस्तार, महिला सशक्तिकरण में दुग्ध सहकारी संस्थाओं के योगदान, ग्रामीण रोजगार सृजन में मत्स्य सहकारी समितियों की भूमिका तथा नाबार्ड, अपेक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों की जिम्मेदारियों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि, सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने का प्रभावी माध्यम है। सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को गति देने के लिए सभी संस्थाओं के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

ये रहे उपस्थित: कार्यक्रम में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के उपाध्यक्ष श्री अभिनेष कश्यप, राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक एवं अपर आयुक्त श्री के.एन. कांडे, मत्स्य विभाग के संचालक श्री नाग, अपर आयुक्त श्रीमती सावित्री भगत, उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता, संयुक्त आयुक्त श्री बसंत कुमार, श्री मुकेश ध्रुव, श्री तिग्गा, श्री बुनकर, श्री गौरीशंकर शर्मा, उपायुक्त श्री युगल किशोर तथा अपेक्स बैंक के डीजीएम श्री भूपेश चंद्रवंशी सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इन संघों की भी रही मौजूदगी

इसके अलावा अपेक्स बैंक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों, लघु वनोपज संघ, दुग्ध महासंघ, सहकारी शक्कर कारखानों, एनसीडीसी तथा विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के प्रतिनिधि और किसान उपस्थित रहे।

जिला सहकारी संघ राजनांदगांव में परिचर्चा, प्राकृतिक खेती मानव जीवन के लिए बताया गया वरदान

■ सहकारी समितियों /FPO से होगी सदस्यों के आय में वृद्धि

राजनांदगांव। जिला सहकारी संघ राजनांदगांव में सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार सहकारी सप्ताह के द्वितीय दिवस पर जिला राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं मोहला-मानपुर-चौकी में जिला सहकारी विकास समिति (DCDC) की बैठक आयोजित हुई।

साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव के सभाकक्ष में सदस्यों की आय बढ़ाने में FPO एवं पैक्स की भुमिका पर परिचर्चा विषय पर सहकारी संगोष्ठी का आयोजन जिले के समस्त प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

सहकारी परिचर्चा में श्री सचिन सिंह बघेल जी अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव, श्री भरत वर्मा जी उपाध्यक्ष, श्री एन. एल. टंडन जी उप आयुक्त सहकारिता राजनांदगांव, श्री सुधीर सोनी जी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव एवं श्री मनोज नायक जी, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड राजनांदगांव ने सहकारी समिति एवं FPO के सदस्यों के आय में वृद्धि कैसे किया जावे इस विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिए।

रायायनिक खेती के दुष्प्रभाव से बचने की अपील

सहकारी संगोष्ठी में श्री यागवेंद्र कातरे ग्रामीण विकास अधिकारी ने रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव से बचने की अपील करते हुए जैविक खेती जिसे वर्तमान में प्राकृतिक खेती कहा जाता है की शुरुआत कर मानव जीवन को समृद्ध बनाने की जानकारी विस्तारपूर्वक दिए। सहकारी संगोष्ठी में प्राकृतिक खेती को मानव जीवन के लिए वरदान की संज्ञा दी। इस अवसर पर श्री दीनदयाल ओझा ने जिला मुख्यालय से लगा सुकुलदैहान में महिलाओं के नेतृत्व में संचालित FPO/FPC के क्रियाकलाप एवं FPO के माध्यम से सदस्यों को एवं संस्था को होने वाली लाभ आदि की जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित कर सहकारी संगोष्ठी में उपस्थित पदाधिकारियों को समझाया। सहकारिता विभाग से श्री अभय कापरे सहकारिता विस्तार अधिकारी राजनांदगांव ने प्राथमिक सहकारी समितियों के दैनिक क्रियाकलाप की सविस्तार जानकारी दी। संगोष्ठी के दौरान पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पूछे गए सवालों का जवाव भी बैंक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा दी गई।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारीगण सहित सहकारिता विभाग से श्री आलोक सिंह वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव, श्रीमती देवकन्या देशलहरा वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, श्रीमती संध्या अग्रवाल सहकारी निरीक्षक, अनिता नंदे सहकारिता विस्तार अधिकारी डोंगरगढ़, डोमेन्द्र सिंह सहकारिता विस्तार अधिकारी छुरिया, कृषि विभाग राजनांदगांव के अधिकारीगण, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से श्री आलोक शर्मा जी, मुख्य लेखापाल, श्री एस. के. दिवेदी जी अधीक्षक, जिला सहकारी बैंक के अधिकारीगण/ कर्मचारीगण, श्री एन कुमार साहू प्रभारी प्रबंधक जिला सहकारी संघ राजनांदगांव सहित सहकारी समितियों के सदस्यगण वृहत संख्या में उपस्थित थे। सहकारी संगोष्ठी संचालन श्री प्रकाश अखिलेश जी उप प्रबंधक द्वारा किया गया।

सहकारिता सप्ताह : प्रदेश में विविध आयोजनों से मिला सहकारिता को नया आयाम

- सदस्यों की आय बढ़ाने में FPO एवं पैक्स की भूमिका
- सहकारी संवाद कार्यक्रम, रायपुर

रायपुर। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रायपुर में सहकारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सदस्यों की आय बढ़ाने में FPO एवं पैक्स की भूमिका'' रहा।

कार्यक्रम में श्रीमती पूर्णिमा सिंह, उप पंजीयक, सहकारिता विभाग, श्री विनय कश्यप, सहायक पंजीयक, श्रीमती मंजूषा तिवारी, प्रबंधक, रायपुर जिला सहकारी संघ, स्थानीय सहकारी समिति से डॉ. जया चक्रवर्ती, तथा डॉ. अनुज कुमार नारद, प्रदेश FPO संयोजक, सहकार भारती सहित सदस्यगण उपस्थित रहे।

दी गई कई जानकारियां: कार्यक्रम की शुरुआत एवं मंच संचालन श्रीमती मंजूषा तिवारी ने किया। उन्होंने सहकारिता को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को MPX/पैक्स से जोड़ने की बात कही। डॉ. जया चक्रवर्ती ने स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग उद्देश्यों की सहकारी समितियां बनाने पर जोर दिया। श्रीमती पूर्णिमा सिंह ने मार्केट डेवलपमेंट, परिवहन सुविधा केंद्र और भारत टैक्सी जैसी योजनाओं की जानकारी दी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का लिया गया संकल्प

डॉ. अनुज कुमार नारद ने कहा कि, FPO और पैक्स के बीच एक संयुक्त कार्य मॉडल विकसित किया जा सकता है। इसमें FPO किसानों को संगठित कर उत्पादन, गुणवत्ता और संकलन का कार्य करें, जबकि पैक्स/MPX अपने स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में सहयोग करें। इससे किसानों को उत्पादन से लेकर बाजार तक बेहतर सुविधा मिलेगी और सदस्यों की आय में वृद्धि हो सकेगी। कार्यक्रम में सहकारिता को जन-जन तक पहुंचाने, सदस्यता बढ़ाने तथा FPO और पैक्स के समन्वय से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

सहकारी सप्ताह : जिला सहकारी बैंक में किसान उत्पाद संगठन FPO के कार्यो पर चर्चा

दुर्ग। भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय के गठन के 05 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह के आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में 30 जून को सहकारी सप्ताह के अंतर्गत बैंक मुख्यालय सभा भवन में सहकारी किसान उत्पाद संगठन के संचालनकर्ताओं को चर्चा हेतु आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में श्री प्रीतपाल बेलचंदन अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग एवं श्री नरेष यदु उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. दुर्ग, श्री सतीष पाटले, उप आयुक्त सहकारिता जिला दुर्ग, श्री एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी विषेष रुप से उपस्थित थे।

भविष्य की कार्ययोजना पर डाला गया प्रकाश : श्री प्रीतपाल बेलचंदन द्वारा अपने उद्बोधन में किसान उत्पादक संगठन के गठन से होने वाले लाभ तथा उनकी भविष्य की कार्य योजना पर प्रकाश डाला गया। उनके द्वारा बताया गया कि यह किसानों का एक समूह (सहकारी समिति या कंपनी) होता है, जो कृषि उत्पादन, बीज-खाद की खरीद, और फसल की मार्केटिंग जैसे व्यावसायिक कार्य करता है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को बिचैलियों से बचाकर उनकी आय ब?ाना है। उक्त संचालित संगठनों को कार्य में तेजी लाने एवं अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ने हेतु प्रेरित किया गया।

फसल सीधे बाजार में अच्छे दाम पर बेच सकते हैं: श्री सतीष पाटले उप आयुक्त सहकारित द्वारा बताया गया कि, किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से सामूहिक लाभ लेने के लिए इसमें किसान थोक में बीज और उर्वरक सस्ते दाम पर खरीद सकते हैं और अपनी फसल को सीधे बाजार में अच्छे दाम पर बेच सकते हैं। मैदानी क्षेत्रों में एक FPO बनाने के लिए कम से कम 300 किसान सदस्यों की आवश्यकता होती है। भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा प्रत्येक FPO को 3 साल तक कार्यालय खर्च व प्रबंधन के लिए 18 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाती है, और प्रति किसान सदस्य 2,000 का अनुदान भी मिलता है। FPO के संचालनकर्ताओं द्वारा कार्य संचालन में आ रही दिक्कतों को साझा किया जिस पर बैंक प्रबंधन द्वारा आवष्यक निराकरण कराने हेतु सलाह दी गई।

इनकी रही उपस्थितिः उक्त कार्यक्रम में श्री पी.के.पाण्डे सेवानिवृत्त वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, बैंक अधिकारी श्री हृदेष शर्मा, श्री एस.के.निवसरकर, सुश्री कुसुम ठाकुर, श्री के.के.नायक, श्री धीरेन्द्र देवांगन, श्री एस.पी.वाहने, श्री ए.एस.खान, श्री युवराज चन्द्राकर सहित ध्व्व् के कर्मचारी एवं प्रधान कार्यालय दुर्ग व शाखा दुर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहें।

संचालित हैं 7 किसान उत्पाद संगठन

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग के अंतर्गत जिला बालोद में 4 श्री हरि बहुउद्देश्यीय किसान उत्पादक सहकारी समिति लाटाबोड़, जय हरदेवलाल बाबा बहुउद्देश्यीय किसान उत्पादक सहकारी समिति नवागांव, उन्नत बहुउद्देश्यीय किसान उत्पादक सहकारी समिति परसदा, गंगा मैया बहुउद्देश्यीय किसान उत्पादक सहकारी समिति सोरर एवं जिला दुर्ग में किसान धान प्रषंसकरण सहकारी समिति लिटिया, मां शीतला बीज उत्पादक सहकारी समिति उतई, ओम दुग्ध प्रकाषन सहकारी समिति बठेना कुल 07 किसान उत्पाद संगठन संचालित है।

सहकारी सप्ताह : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में जिला सहकारी विकास समिति, एफपीओ एवं पैक्स की भूमिका पर परिचर्चा

जगदलपुर। सहकारी सप्ताह के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों के क्रम में आज द्वितीय दिवस जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर के सभा कक्ष में जिला सहकारी विकास समिति (DCDC) का महत्व एवं सदस्यों की आय बढ़ाने में एफ्पीओ एवं पैक्स की भूमिका विषय पर परिचर्चा एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिले की समस्त प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (PCS) एवं वृहत्ताकार बहुउद्देशीय सहकारी समितियों (LMPS) के प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए कृषकों की आय में वृद्धि, कृषि के विविधीकरण, मूल्य संवर्धन तथा सहकारिता आधारित समग्र ग्रामीण विकास की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श करना था।

सहारी संस्थाओं के बीच समन्वय पर बल

कार्यक्रम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप ने जिला सहकारी विकास समिति (DCDC) की भूमिका, उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता की विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित कर किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाना वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसान उत्पादक संगठन (FPO) एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियाँ (PCS) किसानों को संगठित कर सामूहिक क्रय-विक्रय, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, भंडारण एवं विपणन की सुदृढ़ व्यवस्था विकसित कर सकती हैं, जिससे कृषकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। उन्होंने प्राधिकृत अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों, सहकारी योजनाओं एवं एफ्पीओ गतिविधियों से अधिकाधिक जोड़ने के लिए सक्रिय प्रयास करें।

मोटे अनाज बढ़ा सकते हैं किसानों की आय

इस अवसर पर बैंक के उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास मिश्रा ने एफ्पीओ के माध्यम से नवाचार, मिलेट्स आधारित कृषि तथा कृषि में मूल्य संवर्धन के विभिन्न आयामों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोटे अनाज (मिलेट्स) की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती मांग किसानों के लिए आय बढ़ाने का एक उत्कृष्ट अवसर है। उन्होंने परम्परागत कृषि ज्ञान को संरक्षित रखते हुए जैविक खाद के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया तथा इसके साथ-साथ वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैविक एवं वैज्ञानिक कृषि का संतुलित समन्वय ही भविष्य की टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि का आधार बनेगा। उपाध्यक्ष ने उपस्थित सभी प्राधिकृत अधिकारियों से अपने-अपने समिति क्षेत्र में किसानों को जैविक खेती, उन्नत कृषि तकनीकों, मिलेट्स उत्पादन तथा एफ्पीओ गतिविधियों से जोड़ने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना तैयार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

किसानों को अन्य फसलें लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए

कार्यक्रम के दौरान लैम्प्स जगदलपुर के प्राधिकृत अधिकारी श्री योगेश ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को केवल धान उत्पादन तक सीमित न रहकर मौसम आधारित बहुफसलीय कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ दलहन, तिलहन, मिलेट्स, सब्जी एवं बागवानी जैसी विविध फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर बल दिया, जिससे कृषकों को वर्षभर आय के विविध स्रोत उपलब्ध हो सकें तथा कृषि अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बन सके।

लिया गया सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम का समापन किसानों की आय दोगुनी करने, सहकारिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा जिले में टिकाऊ, वैज्ञानिक एवं जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने के सामूहिक संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। बैंक के अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित संभागीय कार्यालय जगदलपुर के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बांटे अपने-अपने अनुभव

कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय मंच संचालन श्री विवेक पाण्डे, जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा किया गया। उन्होंने विषय की भूमिका प्रस्तुत करते हुए सहकारिता आंदोलन की वर्तमान प्रासंगिकता, एफ्पीओ एवं पैक्स की परस्पर पूरक भूमिका तथा किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण में सहकारी संस्थाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। परिचर्चा के दौरान उपस्थित प्राधिकृत अधिकारियों एवं अधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए गए। सभी ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि यदि सहकारी संस्थाएँ, एफ्पीओ एवं पैक्स समन्वित रूप से कार्य करें तथा किसानों को आधुनिक तकनीक, जैविक कृषि, मूल्य संवर्धन एवं बेहतर विपणन व्यवस्था से जोड़ा जाए, तो कृषकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान की जा सकती है।

सहकारिता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

जगदलपुर। 4 जुलाई को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में एकलव्य आदर्श आदिवासी विद्यालय छिंदवाड़ा धरमपुरा जगदलपुर में सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने पर तथा सहकारिता दिवस पर सहकारिता से समृद्धि विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा छात्रों को सहकारिता दिवस का महत्व सिद्धांत लाभ के बारे में जानकारी दिया गया प्रतियोगिता में क्लास 12वीं के साइंस विषय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री शालिग्राम राम पचौरी प्राचार्य तथा व्याख्याता दीपक टेलर तथा व्याख्याता श्री राहुल वर्मा नेसहयोग किया प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रतिभागीयो को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

जिला सहकारी बैंक राजनांदगांव में अतिथियों ने रोपे पौधे

राजनांदगांव। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित सहकारी सप्ताह के अवसर सहकारी बैंक परिसर में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में श्री सचिन सिंह बघेल जी अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव ने पौधारोपण करते हुए उपस्थित सहकारी समितियों के पदाधिकारियों, बैंक के अधिकारियों को एक पेड़ अवश्य लगाने की अपील की। इस अवसर पर श्रीमती कृष्णा देवी श्रोती प्राधिकृत अधिकारी वृहताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित ढाबा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव से श्री सुधीर सोनी जी मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित जिला सहकारी बैंक के अधिकारीगण ने वृक्षारोपण में भाग लेकर पौधे रोपे। उक्त कार्यक्रम की जानकारी श्री एन कुमार साहू प्रभारी प्रबंधक जिला सहकारी संघ राजनांदगांव ने दी।

ढाबा समिति ने सहकारी सप्ताह में कराया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बैंक अध्यक्ष ने शिविर में कराया स्वास्थ्य परीक्षण

राजनांदगांव। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार सहकारी सप्ताह के अवसर पर वृहताकार सेवा सहकारी समिति ढाबा द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से समिति प्रांगण में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कराया गया। इस आयोजन में श्री सचिन सिंह बघेल जी अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए सहकारी समितियों के पदाधिकारियों, बैंक के अधिकारियों एवं बैंक शाखाओं में उपस्थित कृषक सदस्यों व खाताधारकों को स्वास्थ्य शिविर से लाभान्वित होने की अपील की।

इस अवसर पर श्रीमती कृष्णा देवी श्रोती प्राधिकृत अधिकारी वृहताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित ढाबा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव से श्री सुधीर सोनी जी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री आलोक शर्मा जी, मुख्य लेखापाल, श्री एस. के. दिवेदी जी अधीक्षक, श्री प्रकाश अखिलेश जी उप प्रबंधक, श्री मनीष श्रीवास्तव जी शाखा प्रबंधक सहित जिला सहकारी बैंक के अधिकारीगण/ कर्मचारीगण, श्री एन कुमार साहू प्रभारी प्रबंधक जिला सहकारी संघ राजनांदगांव, श्री उपेन्द्र देशमुख जी प्रबंधक वृहताकार सेवा सहकारी समिति ढाबा, समिति कर्मचारीगण एवं सहकारी समितियों के सदस्यगण वृहत संख्या में उपस्थित थे।

वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान के साथ मनाया गया सहकारी समाचार का प्रचार- प्रसार दिवस

जगदलपुर। 3 जुलाई को भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पांचवें दिन आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बाबू सेमरा में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान तथा सहकारी समाचार पत्र का प्रचार प्रचार दिवस गरिमापूर्ण तरीके से मनाया गया।

कार्यक्रम में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष तथा बस्तर लोकसभा के भूतपूर्व सांसद श्री दिनेश कश्यप बस्तर जिला जगदलपुर के उप आयुक्त सुश्री उषा ध्रुव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के श्री एस.ए.रजा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, प्रातीय सह संयोजक श्री रंजीत पांडे जी, जिला संयोजक श्री मनोहर दत्त तिवारी ,जनपद सदस्य जगदलपुर श्रीमती सारकी मीना राव, प्राधिकृत अधिकारी लेंपस माड़पाल श्री जयराम नाग, श्री संतोष नाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री विवेकानंद झा तथा लेंपस सेमरा के समस्त कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम है सहकारिता

राजनांदगांव। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत सहकार भारती द्वारा राजनांदगांव के पिंकी भवन स्थित मंगल भवन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं सहकारिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से महिला विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सहकारिता सामाजिक और आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम : स्मिता दोड़के

कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि श्री देवशरण सेन ने की। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में सहकार भारती की प्रदेश महिला प्रमुख श्रीमती स्मिता दोड़के उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती भारती काकडे, सुश्री मणि भास्कर गुप्ता (पार्षद), श्रीमती अमृता मोहन एवं श्री राजेश यादव उपस्थित रहे।

अपने प्रेरक उद्बोधन में श्रीमती स्मिता दोड़के ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, सहयोग और सामूहिक विकास की भावना को मजबूत करने वाला सशक्त आंदोलन है। उन्होंने महिलाओं से स्व-सहायता समूहों एवं सहकारी संस्थाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिला ही परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला होती है।

उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार, लघु उद्योग, गृह-आधारित व्यवसाय, कौशल विकास तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सहकार भारती के मूल मंत्र ÷बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार÷ को आत्मसात करते हुए सेवा, समरसता और आत्मनिर्भरता की भावना को समाज में आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

सहकारिता भारतीय संस्कृति की मूल भावना : देवशरण सेन

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री देवशरण सेन ने कहा कि सहकारिता भारतीय संस्कृति की मूल भावना है, जो सामूहिक कार्य, पारस्परिक सहयोग और समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि सहकारिता महिलाओं में सेवा, सहयोग, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। उन्होंने महिलाओं से अधिकाधिक संख्या में सहकारिता से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने तथा राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

महिलाओं ने लिया आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मीना यादव ने किया तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती जमुई साहू ने किया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सहकारिता से जुड़े सदस्यों ने सहभागिता की। उपस्थित सभी महिलाओं ने सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का सामूहिक संकल्प लिया।

सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बने सहकारी संस्थान : कनीराम

रायपुर। भारत सरकार द्वारा गठित 'सहकारिता मंत्रालय' की स्थापना के सफल 5 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सहकारी सप्ताह' का भव्य समापन समारोह जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के प्रांगण में हुआ। समापन अवसर पर आयोजित समारोह में छग सहकार भारती के महामंत्री श्री कनीराम ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक विकास का सशक्त आंदोलन है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं को पारदर्शिता, नवाचार एवं जनभागीदारी के साथ कार्य करते हुए किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए।

सदस्य-केंद्रित कार्यप्रणाली से साकार होगा 'सहकार से समृद्धि' का लक्ष्य

उन्होने कहा कि सहकारिता की मूल भावना "सहकार से समृद्धि" को साकार करने के लिए प्रत्येक सहकारी संस्था को सदस्य-केंद्रित कार्यप्रणाली अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, पारदर्शी प्रबंधन, सुशासन तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी से सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा और नई ऊंचाइयाँ प्राप्त होंगी। सहकारी संस्थाओं को समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को विकसित करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी सेवाएं पहुंचानी चाहिए।

सहकारिता सप्ताह की गतिविधियों का हुआ उल्लेख

समारोह के दौरान सहकारिता सप्ताह 2026 के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, जनजागरूकता अभियानों, प्रशिक्षण, संगोष्ठियों तथा प्रतियोगिताओं की जानकारी साझा की गई। वक्ताओं ने कहा कि सप्ताह भर आयोजित गतिविधियों से सहकारिता के सिद्धांतों, योजनाओं एवं उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ तथा लोगों में सहकारी संस्थाओं के प्रति विश्वास और सहभागिता में वृद्धि हुई।

ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण का लिया संकल्प

कार्यक्रम में सहकारी क्षेत्र से जुड़े पदाधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न सहकारी समितियों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। समापन अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने सहकारिता के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन तथा आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का सामूहिक संकल्प लिया।

महिला सशक्तिकरण में सहकारिता निभा रही है महत्वपूर्ण भूमिका :स्मिता दोड़के

- **सहकारिता सप्ताह के अन्तर्गत उन्नति महिला सहकारी साख समिति ने किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

भिलाई। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत सहकार भारती के मार्गदर्शन में उन्नति महिला सहकारी साख समिति द्वारा अंबेडकर नगर, भिलाई में 3 जुलाई को महिला सशक्तिकरण एवं सहकारिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सहकारिता से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने तथा सामाजिक उत्थान में उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं श्रद्धेय लक्ष्मणराव इनामदार जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया तथा सहकारिता के मूल उद्देश्य और महिला सशक्तिकरण के संकल्प के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कौसर खान ने किया।

महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए नई योजनाओं की घोषणा

उन्नति महिला सहकारी साख समिति की अध्यक्ष श्रीमती कौसर खान ने समिति की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि समिति महिलाओं में बचत की भावना विकसित करने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आगामी योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से निर्धन एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा एवं आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही वृद्धजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी सहायता तथा महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन हेतु स्थायी विक्रय केंद्र (सेल) स्थापित किया जाएगा।

महिलाओं को सहकारिता से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास जारी

मुख्य अतिथि श्रीमती स्मिता दोड़के, प्रदेश महिला प्रमुख, सहकार भारती (छत्तीसगढ़) ने कहा कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में सहकारिता सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा मिली है तथा महिलाओं को सहकारिता से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रभावी पहल की गई हैं।

उन्होंने उन्नति महिला सहकारी साख समिति द्वारा महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में आत्मनिर्भरता, रोजगार और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को सहकारिता आंदोलन से जोड़ने तथा सहकार भारती के माध्यम से महिला उद्यमिता को नई पहचान दिलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सहकार सेविका अंजलि अंबादे, समिति की उपाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी दुबे, प्रबंधक रत्ना चक्रवर्ती, संचालक रेखा दास, प्रतिमा पारधी, शमीम अख्तर, सुनीता कुमारी, फिरोज़ा बेगम, तारा विश्वकर्मा, शारदा देवी, मंजू साहू, परमेश्वरी शर्मा, सीता विश्वकर्मा, परवीन बानो, बिंदु शर्मा, रीना ऊके, चांदनी देवांगन, छब्बू दुधी, गंगा कुमारी, रामेश्वरी शिखा, उषा पाटिल, शबनम बेगम, समृद्धि ताम्रकार, सरिता गाडवे, नंदिनी ध्रुव, पिंकी मानिकपुरी, लक्ष्मी यादव, त्रिवेणी यादव एवं असमिया मिर्जा सहित उन्नति महिला सहकारी साख समिति की बड़ी संख्या में सदस्य एवं महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

सहकारिता सप्ताह 2026 के अंतर्गत विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा, विजेताओं का हुआ सम्मान

बिलासपुर। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित सहकारिता सप्ताह 2026 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित, बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र नगर, बिलासपुर में सहकारिता विषय पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी श्री सौरभ शर्मा की मंशानुसार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सहकारिता के सिद्धांतों, महत्व एवं सामाजिक-आर्थिक विकास में इसकी भूमिका के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

विजेताओं को प्रमाण-पत्र, शील्ड एवं नगद पुरस्कार प्रदान

कार्यक्रम में श्री चंद्रशेखर जायसवाल, उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, बिलासपुर, डॉ. मोहनलाल पटेल, प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र नगर, बिलासपुर तथा विद्यालय के व्याख्याता श्री गुप्ता ने प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड, प्रमाण-पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

'सहकार से समृद्धि' के संदेश पर दिया गया विशेष जोर

मुख्य अतिथि श्री चंद्रशेखर जायसवाल ने अपने संबोधन में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता सामाजिक एवं आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से सहकारिता की भावना को अपनाने और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

प्राचार्य डॉ. मोहनलाल पटेल ने अपने उद्बोधन में विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से सहकारिता के महत्व को सरल एवं प्रेरक ढंग से समझाया तथा विद्यार्थियों को सहयोग, सहभागिता और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों को दी गई सहकारिता की विस्तृत जानकारी

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ की ओर से प्रशिक्षक श्री किरण कुमार ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विद्यार्थियों को सहकारिता क्यों, क्या और कैसे विषय पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं श्री एच.एन. पुरैना, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक ने सहकारी समितियों की संरचना, कार्यप्रणाली तथा ग्रामीण एवं कृषि विकास में उनकी भूमिका पर संक्षिप्त लेकिन उपयोगी जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला सहकारी संघ मर्यादित, बिलासपुर के कर्मचारियों, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र नगर, बिलासपुर के प्राचार्य, व्याख्याताओं एवं समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सहकारिता के प्रति अपनी जागरूकता, रचनात्मकता और सामाजिक सोच का प्रभावशाली परिचय दिया।

पैक्स प्रबंधकों का क्षमता विकास प्रशिक्षण संपन्न

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा संचालित सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, रायपुर के तत्वावधान में 23 जून को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर से संबद्ध गरियाबंद जिले के 70 लैंप्स/पैक्स प्रबंधकों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण का आयोजन जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल कार्यालय, गरियाबंद में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रवलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की अति विशिष्ट अतिथि सुश्री माहेश्वरी तिवारी, सहायक आयुक्त, सहकारिता, गरियाबंद थीं। विशेष अतिथि के रूप में श्री ए.एन. सिंह, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, श्री रवि मिश्रा, सहकारी निरीक्षक, श्री सोहेल खान, प्रबंधक, जिला सहकारी संघ गरियाबंद, श्री शिवेश मिश्रा, नोडल अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, तथा श्री शैलेंद्र सिंह सोमवंशी, सदस्य, सहकार भारती उपस्थित रहे।

दी गईं संबंधित जानकारियां

प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों ने पैक्स प्रबंधकों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीए एवं सीएमए श्री कांति लाल जैन ने लेखांकन पद्धति एवं सहकारी अंकेक्षण, बैंक रिकन्सिलिएशन, बेस्ट प्रैक्टिस ऑफ अकाउंटिंग तथा वाउचर प्रणाली पर प्रशिक्षण दिया। श्री राजेश साहू, व्याख्याता ने सहकारिता की अवधारणा, सहकारिता के सिद्धांत एवं मूल्य, सहकारिता की वर्तमान प्रासंगिकता, प्रबंधकों का क्षमता विकास, एक्शन प्लान तथा भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की विभिन्न पहलों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं श्री सुरेश पटेल, व्याख्याता ने प्रभावकारी लेखांकन विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण से काम में आएगी गुणवत्ता

अपने संबोधन में सुश्री माहेश्वरी तिवारी ने कहा कि, प्राथमिक कृषि साख समितियाँ (पैक्स) किसानों को बेहतर एवं प्रभावी सेवाएँ उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण संस्था हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद समितियों को बहुउद्देशीय गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण प्राप्त प्रबंधक नवीन ज्ञान एवं कौशल का उपयोग कर अपनी समितियों में उत्कृष्ट कार्य करेंगे तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करेंगे।

प्रदान किए गए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश साहू ने किया तथा श्री सुरेश पटेल ने आभार प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों की उपस्थिति एवं सहभागिता उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री कुलेश्वर सिन्हा, लेखापाल, जिला सहकारी संघ गरियाबंद तथा श्री अश्वनी यादव, संपर्क साधक, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर का सहयोग सराहनीय रहा।

सहकारी सप्ताह : किया गया छत्तीसगढ़ सहकारी समाचार का प्रचार-प्रसार

बस्तर। 3 जुलाई को बस्तर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर के मुख्य शाखा पहुंचकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ सहकारी समाचार पत्र का प्रचार प्रसार किया गया।

इस अवसर पर संघ की ओर से विवेक पांडे वरिष्ठ प्रशिक्षक, किशोरी लाल ठाकुर लिपिक के साथ-साथ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के वरिष्ठ अधिकारी श्री सुरेश मथरानी, श्री गुलशेर खान व अन्य अधिकारियों के साथ जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री सी. के. द्विवेदी, सहकारी बंधु, कृषक व ग्राहक उपस्थित रहे।

बड़े आरापुर की महिलाओं को मिला सहकारी प्रशिक्षण

तोकापाल। तोकापाल विकासखंड अंतर्गत बड़े आरापुर में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में आंगनवाड़ी भवन में सहकारी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे के द्वारा सहकारिता के अर्थ महत्व सिद्धांत आदि विषय के बारे में बताते हुए ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए छोटे-छोटे समितियां बनाकर कार्य करने हेतु उत्साहित किया गया प्रशिक्षण के दौरान बड़े आरापुर के महिलाओं ने प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण मानते हुए इस तरह के प्रशिक्षण देते रहने के लिए जोर दिया।

विद्यार्थियों ने जानी सहकारिता से आत्मनिर्भरता की राह

बालोद। देश में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना 6 जुलाई 2021 में की गई। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना दिवस के गौरव पूर्ण पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक देश भर में सहकारी सप्ताह मनाया गया।

जिसके अंतर्गत बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद के तत्वाधान में शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बालोद मे सहकारिता पर संगोष्ठी /निबंध /चित्रकला /क्वीज प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थीयों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सहकारिता विषय पर आधारित प्रेरणादायी चलचित्र का प्रदर्शन प्रोजेक्टर के द्वारा किया गया, जिससे विद्यार्थियों को सहकारिता की अवधारणा एवं उसके सामाजिक, आर्थिक महत्व की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन, अर्चन, वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया, अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सहकारिता के महत्व उसके सिद्धांतों, उद्देश्य तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सहकारिता से जुडने के लिए प्रेरित किया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बालोद की प्राचार्य श्रीमती हेमलता गंगबेर.प्रभारी प्राचार्य बी.आर.साहू,व्याख्याता एम.के.ठावरे, राजेन्द्र वर्मा,श्रीमती प्रमिला रामटेके, श्रीमती अनिता पद्माकर, नीलू सोनी, श्रीमती रोशनी साहू ,परमेश्वर देवांगन, श्रीमती लेखा देवी साहू, श्रीमती गीतिका दुबे, पूर्व नोडल अधिकारी बालोद ललित हरदेल,बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद की प्रबंधक श्रीमती स्नेहलता साव, लेखापाल/पी.आर.ओ. वेदप्रकाश साहू, परमेश्वर देवांगन, पुष्पा देवांगन एवं यशु देवांगन उपस्थित थे।

ये रहे विजेता

बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद द्वारा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बालोद में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान टोमेशवरी ने, द्वितीय स्थान रागिनी टंडन एवं योगिता सारथी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में गायत्री प्रजापति ने प्रथम स्थान,द्वितीय स्थान हासिनि ने एवं भाग्यश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।क्वीज प्रतिस्पर्धा में खेमलता साहू ने प्रथम स्थान,द्वितीय स्थान सेजल साहू एवं खेमीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को पुरुस्कार वितरण कर उनको प्रोत्साहित किया गया .कार्यक्रम का संचालन बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद की प्रबंधक श्रीमती स्नेहलता साव ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, निर्णायकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विधिवत् समापन किया गया। सहकारिता विषयक विद्यालय स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर कार्यशाला संपन्न

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के साथ ही केंद्र शासन में सहकारिता मंत्रालय के स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने पर जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा नवीन महिला हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति भटगांव में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

4 जुलाई को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक केंद्र भटगांव में यह आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ऋषभ देवांगन पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, जयंती ध्रुव सदस्य जनपद पंचायत धमतरी, फगूराम साहू सरपंच ग्राम पंचायत भटगांव, दीप्ति देवांगन अध्यक्ष नवीन महिला हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति भटगांव, डॉ. ए एन दीक्षित प्रवक्ता तथा बड़ी संख्या में महिला बुनकर समिति के मातृशक्ति सदस्यों व कृषकों की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन व राज्य गीत पश्चात अतिथियों के स्वागत उपरांत प्रारंभ किया गया।

सहकारिता समाज में दुर्बलों की लाठी

आप सभी जानते हैं कि सहकारिता समाज में दुर्बल, कमजोर, निर्धन वर्ग के लोगों की लाठी है। ये कमजोर एवं निर्धन सदस्य सहकारिता के माध्यम से मिलजुल कर अपनी समिति बना सकते हैं और बाजार की ताकतों का सामना करते हुए अपने व्यवसाय का संचालन कर अपने सदस्यों के हितों में वृद्धि करते हैं। यह सहकारिता कृषि, दुग्ध, मत्स्य, वनोंपज, व बुनकर सहकारिता के रूप में हो सकती है। और भी अनेक क्षेत्र हैं, जहां सहकारिता के माध्यम से व्यवसाय सफलतापूर्वक किया जा रहा है। पर्यटन, परिवहन, चीनी उत्पादन, राइस मिल जैसी अनेकानेक व्यवसाय सहकारिता के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में अभी 284 प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियां हैं जो अपेक्स बुनकर संघ रायपुर से संबद्ध है।

इन्होंने भी किया संबोधित

कार्यक्रम में जयंती ध्रुव ने अपने उद्बोधन में आज के इस कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। सरपंच फगूराम साहू ने कहा कि आयोजन की सफलता हेतु मेरी ओर से बहुत शुभकामनाएं। सहकार के बिना उद्धार नहीं होता इसे हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। दीप्ति देवांगन ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ वर्तमान समय में संसाधनों के सीमित उपयोग करने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किया। पूर्व जनपद अध्यक्ष ऋषभ देवांगन ने कहा कि सहकारी समिति के सभी सदस्य व्यवसाय के मालिक होते हैं। केंद्र में सहकारिता मंत्रालय का गठन एक सराहनीय कदम है। उन्होंने उपस्थित बुनकर मातृशक्ति सदस्यों से कहा कि वें सीधे अपने उत्पादों का विक्रय भी कर सकते हैं, उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान पर कहा कि पेड़ के माध्यम से पृथ्वी पर जीवन बनाए रखने के लिए हमें जल संरक्षण तथा पौधारोपण कर प्लास्टिक को हटाकर प्रकृति के साथ हरित भविष्य की ओर हमें कदम बढ़ाना होगा।

सहकारिता को प्रचारित करना उद्देश्य

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ दीक्षित ने कहा कि, आज अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस है। प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के प्रथम शनिवार को यह दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रेरणा से पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में सहकारिता के सिद्धांतों एवं विचारों का प्रचार, सहकारी समितियों के कार्यों की समीक्षा, समितियों को और अधिक जनोन्मुख एवं लाभकारी बनाने के उपायों पर विचार करना होता है। आज से 5 वर्ष पूर्व 2021 में 6 जुलाई को भारत में केंद्र सरकार के अंतर्गत पृथक सहकारिता मंत्रालय का गठन पहली बार किया गया था। इस गठन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष इसे राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के रूप में 29 जून से 6 जुलाई तक मनाया जा रहा है।

अतिथियों का किया सम्मान

कार्यक्रम के अंत में बढ़ते प्रदूषण जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन को बचाने सम्माननीय अतिथियों द्वारा परिसर में पौधारोपण किया गया पश्चात संघ द्वारा मंचस्थ अतिथियों को श्रीफल व शाल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति व कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक ए पी गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन बुनकर समिति भटगांव के प्रबंधक हीरेश देवांगन ने किया।

सहकारिता के प्रति जागरूकता लाने निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

जगदलपुर। सहकारी सप्ताह के अवसर पर बस्तर हाई स्कूल, जगदलपुर में गाँव के विकास में सहकारिता की भूमिका एवं एक के लिए सब, सबके लिए एक विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सुश्री डॉ. उषा ध्रुव, उप आयुक्त, सहकारिता की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को सहकारिता के सिद्धांतों, उसके सामाजिक एवं आर्थिक महत्व तथा ग्रामीण विकास में उसकी प्रभावी भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सहकारिता आपसी सहयोग, सहभागिता एवं सामूहिक विकास की भावना को सशक्त बनाती है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सहकारिता के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा सहयोग, एकता एवं सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना था।

नेगीगुड़ा में महिलाओं के लिए सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन

बसतर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वावधान में आदिवासी बहुल बस्तर जिला के आंगनबाड़ी केंद्र नेगीगुड़ा में महिलाओं का सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद ने उक्त आयोजन 11 जुलाई को किया। महिलाओं को सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, लाभ, सहकारिता से समृद्धि प्राप्त करने के तरीके, सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उपाय, नए सहकारी समिति के पंजीयन की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। महिला बाल विकास के कर्मचारी श्रीमती सुनीता यादव के द्वारा महिला बाल विकास की सेवाएं, पूरक घोषणा, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, अनौपचारिक शिक्षा पोषण एवं स्वास्थ्य सुविधा के बारे में बताया गया। राज्य सहकारी संघ के कर्मचारी श्री सदन मौर्य का विशेष योगदान रहा।

सहकार भारती भिलाई दुर्ग ने मनाया सहकारी सप्ताह

भिलाई। सहकार भारती भिलाई दुर्ग द्वारा सहकार सप्ताह का आयोजन सेक्टर 2 वार्ड नम्बर 40 मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री शंकर लाल देवांगन, वरिष्ठ सहकार सेवक बुनकर प्रकोष्ठ एवं टी आर कनौजे पूर्व अध्यक्ष बीएसपी एम्पलॉइज कॉपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सहकार भारती के संस्थापक स्वर्गीय लक्ष्मण राव ईनामदार जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शंकर लाल देवांगन जी ने कहा कि, आज बड़े हर्ष का विषय है कि हम सब आज सहकारी सप्ताह के अंतर्गत आज एकत्रित होकर ये कार्यक्रम कर रहे हैं और केंद्र सरकार द्वारा भी सहकारिता के माध्यम से जुड़े हर आयाम को बड़े नियोजित ढंग से सभी वर्ग के लोगों के लिए हितकारी एवं उपयोगी सिद्ध हो ऐसा कार्य कर रही हैं। आज हम सहकारिता मंत्रालय अलग से बना कर इसे सभी वर्गो के लिए लाभान्वन्वित हो।

सरकार सहकारिता को लेकर गंभीर

आज पूरे 5 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, और सहकारिता विभाग केंद्र सरकार के नेतृत्व में अच्छा कार्य कर रही है। श्री अमित जी शाह काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं। इसमें सहकार टैक्सी सेवा, और अब सहकार जीवन बीमा जैसे भी कार्य की शुरुआत होने जा रही है। इससे पता चलता है कि सरकार कितनी संवेदनशील सहकारिता के प्रति प्रतिबद्ध है, कार्य क्रम को टी आर कनौजे पूर्व अध्यक्ष बीएसपी एम्पलॉइज कॉपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी द्वारा भी संबोधित किया गया और सहकारिता के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश शुक्ला द्वारा किया गया। सहकार सप्ताह के कार्य क्रम में दीपक मिश्रा संयोजक सहकार भारती दुर्ग संभाग, रमेश शर्मा, गजानंद बंछोर, मिथिला खीचारिया, राकेश शुक्ला, परवीन बानो, टी आर कनौजे, शंकर लाल देवांगन, दिनेश मिश्रा, ऊषा राव, ज्योति सोनी, शेख जहीरूद्दीन, अर्पणा यादव, सहित समस्त सहकार सेवक उपस्थित थे।

जैविक खेती को बढ़ावा देने में सहकारी संस्थाएं निभा रही हैं महत्वपूर्ण भूमिका

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर के संभागीय कार्यालय, जगदलपुर द्वारा विकासखंड दरभा के ग्राम केसापुर स्थित पंचायत भवन में किसानों के लिए जैविक खेती एवं सहकारिता विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे ने ग्रामीण किसानों को सहकारिता की अवधारणा, महत्व, सिद्धांत एवं मूल्यों की जानकारी देते हुए बताया कि लेंप्स (LAMPS) सहकारी संस्थाएं किसानों को संगठित कर जैविक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने जैविक ग्राम केसापुर में प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाकर स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित पर्यावरण तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही किसानों को गोपालन एवं दुग्ध उत्पादन को आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में अपनाने की सलाह देते हुए सहकारिता के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया।

जैविक खेती अपनाने का आह्वान

इस अवसर पर ग्राम केसापुर की उपसरपंच श्रीमती ममता नाग ने किसानों से जैविक खेती को अधिकाधिक अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे भूमि की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य को दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होंगे। वहीं लेंप्स के प्राधिकृत श्री काढ़ी राम नाग ने किसानों से निरंतर जैविक खेती अपनाने तथा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नियमित प्रशिक्षण से किसान नई तकनीकों एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पंचायत के कोतवाल श्री दिनेश नाग का विशेष सहयोग रहा।

किसानों के लिए 38 करोड़ के ऋण स्वीकृत

दुर्ग। 2 जुलाई को श्री प्रीतपाल बेलचंदन अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग की अध्यक्षता में ऋण उप समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्री नरेश यदु उपाध्यक्ष, श्री संदीप कुमार भोई उप संचालक कृषि दुर्ग, अंशु गोयल नाबार्ड डीडीएम, कु.शिवांगी सहायक पंजीयक सहकारिता एवं श्री एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बैंक के कार्यक्षेत्र जिला दुर्ग, बालोद, बेमेतरा के अंतर्गत 402 सहकारी समितियों से संबंधित कृषकों का फसल ऋणों हेतु पूरक साख सीमा 2026-27 से 2028-29 हेतु 2951 किसानों को 30.69 करोड़ रु., गन्ना उत्पादन हेतु 17 कृषकों को साख सीमा 40.69 लाख रु., कपास उत्पादन हेतु 3 कृषकों को 0.41 लाख, उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत सब्जी एवं मसाला उत्पादक 28 कृषकों को 39.89 लाख एवं गौपालन हेतु केसीसी साख सीमा वर्ष 2026-27 के लिए 243 कृषकों को 489.96 लाख रु. का ऋण स्वीकृत किया गया है।

मछली पालन के लिए 4 किसानों को 9.50 लाख का ऋण

मत्स्य पालन हेतु 4 कृषकों को 9.50 लाख, बकरी पालक, कुक्कुट पालक 8 कृषकों को को 16.24 लाख रु. इसी प्रकार 2 किसानों को ट्रेक्टर ऋण 15.45 लाख स्वीकृत किया गया। गोल्डन क्रेडिट कार्ड अंतर्गत 2 किसानों को 10.00 लाख, मध्यकालीन नार्मल ऋण योजनांतर्गत 5 कृषको को 14.06 लाख तथा 16 स्वयं सहायता समूहों को 20.50 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार अन्य हितग्राहियों के मांग अनुसार अकृषि ऋण स्वीकृत किया गया।

योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल

बैंक के माध्यम से ऋणनीति अनुसार उप संचालक कृषि/उद्यानिकी/पशुपालन/मत्स्य विभाग के विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कृषकों के मध्य करने हेतु अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देश दिया गया ताकि बैंक के माध्यम से इन योजनाओं में अधिकाधिक कृषक लाभान्वित हो। बैठक में सुश्री कुसुम ठाकुर अतिरिक्त मुख्य पर्यवेक्षक एवं श्री एस.पी.वाहने शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत निबंध, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता में दिखा विद्यार्थियों का उत्साह

दुर्ग। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के गठन के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह-2026 के अंतर्गत 6 जुलाई को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में शैल देवी महाविद्यालय, अंडा (जिला दुर्ग) में विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सतीश कुमार पाटले, उप आयुक्त सहकारिता, दुर्ग थे। इस अवसर पर सुश्री शिवांगी महार, सहायक आयुक्त सहकारिता, दुर्ग, श्री अमित श्रीवास्तव, प्राधिकृत अधिकारी, जिला सहकारी संघ मर्यादित, दुर्ग, श्री कमलेश श्रीवास्तव, प्रबंधक, जिला सहकारी संघ मर्यादित, दुर्ग, कुमारी आराधना वर्मा, प्रशिक्षिका, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर, श्री मोहन दुबे, प्रशिक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर, श्री के. एन. मिश्रा, प्राचार्य, शैल देवी महाविद्यालय, अंडा, महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण तथा जिला सहकारी संघ के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जागरूकता बढ़ाना आयोजन का उद्देश्य: प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में सहकारिता के सिद्धांतों, उसके मूल्यों एवं राष्ट्र निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सहकारिता को सामाजिक एवं आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बताते हुए युवाओं से सहकारी आंदोलन से जुड़ने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा: निबंध, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने सहकारिता के विभिन्न आयामों को रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक ढंग से प्रस्तुत किया। अंत में सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सहकार से समृद्धि विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

धमतरी। जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा भारत सरकार-सहकारिता मंत्रालय गठन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर सहकार से समृद्धि विषय पर 6 जुलाई को 11वीं व 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं हेतु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह आयोजन जिले के चार विकासखंड क्रमशः कुरुद क्षेत्रांतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भाठागांव, विकासखंड मगरलोड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मगरलोड, विकासखंड नगरी के शासकीय पीएम श्री श्रृंगी ऋषि उत्कृष्ट इंग्लिश माध्यम उच्चतर माध्यमिक शाला नगरी तथा विकासखंड धमतरी के शिव सिंह वर्मा कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला धमतरी व डॉक्टर शोभाराम देवांगन बालक उच्चतर माध्यमिक शाला धमतरी में केंद्र बनाए जाने पर कुल 232 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इनका रहा मार्गदर्शन : निबंध प्रतियोगिता प्रदीप ठाकुर उपायुक्त सहकारिता के मार्गदर्शन तथा सहकारिता विभाग धमतरी के नेमीचंद देव, जितेंद्र नंदा, संगीता सिन्हा, भुनेश्वर नेताम, ए के मिश्रा, जिला सहकारी संघ धमतरी के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू, प्रबंधक ए पी गुप्ता के साथ संबंधित शाला केंद्र के सम्माननीय प्राचार्य व स्टाफ तथा क्षेत्र के सहकारी समितियों के प्रबंधकों की सक्रिय भागीदारी रही। संघ के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू ने बताया कि जिले स्तर पर आयोजित निबंध लेखन परिणाम की घोषणा 15 अगस्त 2026 को की जावेगी।

प्रशस्ति पत्र के साथ के साथ मिलेगा नकद ईनाम : जिसमें सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र के साथ प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विजयीं प्रतिभागियों को क्रमशः 3100, 2100 व 1100 की नगद राशि तथा पांच परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक केंद्र में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय विजयी प्रतिभागियों को क्रमशः रु.1001, रु.701 व रु.501 नगद राशि से पुरस्कृत किया जावेगा।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ करेगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण : सीएम साय

- **103 करोड़ रुपये से अधिक के स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन**
- **200 सीटर छात्रावास, कैंसर भवन विस्तार और आवासीय परिसर का होगा निर्माण**

रायपुर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह परियोजनाएं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी तथा मरीजों, विद्यार्थियों और चिकित्सकों सभी को इसका लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास, कैंसर भवन के विस्तार तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के आवासीय परिसर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए स्वस्थ छत्तीसगढ़ आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का छत्तीसगढ़ को निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि डीएम कार्डियक कोर्स की स्वीकृति से लेकर अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं तक केंद्र सरकार ने हर मांग पर सकारात्मक सहयोग दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में छत्तीसगढ़ को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद) की भी सौगात मिलेगी, जिससे राज्य की समृद्ध औषधीय वनस्पतियों एवं आयुर्वेद को नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर लाखों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया है। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सरगुजा से लेकर बस्तर तक प्रदेश के हर क्षेत्र में सेवाएं देने का संकल्प लें और केवल शहरों तक सीमित रहने की मानसिकता न रखें।

उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना, छात्रावास एवं आधुनिक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्रावास, कैंसर संस्थान विस्तार एवं अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से पहले एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहा है। राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति, नर्सिंग कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि, फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 एकड़ क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाले योग एवं नेचुरोपैथी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर का निर्माण भी प्रगति पर है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में लंबित कोरबा, कांकेर एवं महासमुंद मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य प्रारंभ कराए हैं। बिलासपुर स्थित सिम्स का भी व्यापक उन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि डीएम कार्डियक कोर्स प्रारंभ हो चुका है तथा जगदलपुर में जल्द ही छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा हार्ट सेंटर स्थापित किया जाएगा।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रथम परियोजना के तहत 200 सीटर आधुनिक छात्र-छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाओं के साथ चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के लिए भी आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

दूसरी परियोजना के तहत कैंसर भवन का द्वितीय से छठे तल तक विस्तार किया जाएगा। लगभग 11 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में बनने वाले इस भवन में आधुनिक लैब, 64-64 बिस्तरों वाले वार्ड, सिंगल रूम, आईसीयू तथा अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर विकसित किए जाएंगे, जिससे कैंसर रोगियों को उच्च स्तरीय उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

तीसरी परियोजना के अंतर्गत छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास का विस्तार किया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त कमरे, डॉरमेट्री, लाइब्रेरी, रिक्रिएशन हॉल तथा सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि छात्राओं को सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध हो सके।

सहकार भारती मत्स्य प्रकोष्ठ की बैठक एवं संगोष्ठी संपन्न

मछुआ समाज के सशक्तिकरण एवं सहकारिता के विस्तार पर हुआ मंथन

रायपुर। 13 जुलाई को सहकार भारती, रायपुर के तत्वावधान में सहकार भारती मत्स्य प्रकोष्ठ की बैठक एवं संगोष्ठी का आयोजन मछुआ कल्याण बोर्ड के कॉन्फ्रेंस हॉल, तेलीबांधा, रायपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में मछुआ समाज के सशक्तिकरण, सहकारिता के विस्तार तथा संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सहकार भारती के घोष "बिना संस्कार नहीं सहकार, बिन सहकार नहीं उद्धार" के उद्घोष के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सदस्यों ने मछुआरा समाज का प्रेरणादायी गीत "वेदव्यास की संताने हम, केवट जी के वंशज हैं..." सामूहिक रूप से गाया, जिससे पूरे सभागार में उत्साह एवं सामाजिक एकता का वातावरण निर्मित हुआ।

सहकारिता के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का आह्वान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री लखन लाल धीवर ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता मछुआरा समाज के आर्थिक, सामाजिक एवं संगठनात्मक विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयासों, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा आत्मनिर्भरता की भावना से समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकार भारती के प्रदेश महामंत्री श्री कनीराम नंदेश्वर ने की। उन्होंने सहकारिता के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, संस्कार और सामूहिक उत्तरदायित्व का आंदोलन है।

संगठन विस्तार एवं जनजागरण पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में श्री सौरभ शर्मा (प्रदेश कार्यालय मंत्री), श्रीमती स्मिता डोडके (प्रदेश महिला प्रमुख), श्री नरेश मल्लाह (प्रदेश संयोजक, मत्स्य प्रकोष्ठ), श्री रूपचंद ढीमर (प्रदेश सह संयोजक), श्रीमती अंजू मटियारा (प्रदेश महिला प्रमुख, मत्स्य प्रकोष्ठ), श्री यशवंत कोशरिया (प्रदेश सह संयोजक) तथा श्री विशेषर बाघमार (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) सहित अन्य वक्ताओं ने मत्स्य सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने, युवाओं एवं महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा सहकारिता के माध्यम से मछुआरा समाज के सर्वांगीण विकास पर अपने विचार व्यक्त किए।

बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे उपस्थित

बैठक में श्री राजकुमार फुटान (जिला संयोजक, धमतरी), श्रीमती ममता ढीमर, श्रीमती शीतल मटियारा, श्रीमती उषा बाघमार, श्रीमती हेमीन ढीमर, श्री मधु ढीमर, श्री दायराम धीवर, श्रीमती रीना निषाद, श्रीमती राधिका धीवर, श्री अजय कुमार फुटान, श्री राजेन्द्र कुमार धीवर, श्री चम्पा धीवर, श्री सुशील धीवर, श्रीमती मुनैश्वरी बाजरी, श्री मयंक गुप्ता, श्री दिनेश भटियार, श्री छोटेलाल साहू, श्रीमती टिकेश्वरी फुटान, श्रीमती भुनेश्वरी धीवर, श्रीमती पुष्पा कोले, श्रीमती संतोषी धीवर, श्रीमती प्रभा धीवर तथा श्री प्रेम प्रसाद साहू (नगर प्रमुख) सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाजजन उपस्थित रहे।

सहकारिता को जन-आंदोलन बनाने का लिया संकल्प

संगोष्ठी के समापन पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सहकारिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने, मत्स्य सहकारी समितियों को मजबूत बनाने तथा मछुआरा समाज के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए किया गया।

सहकारिता नारा नहीं, बल्कि जन आंदोलन है : कश्यप

■ **मंत्री ने सहकारिता, स्वास्थ्य और समृद्ध छत्तीसगढ़ का दिया संदेश**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा मिल रही है। इसी कड़ी में सहकारिता विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के तेलीबांधा मरीन ड्राइव में 'सहकार संकल्प दौड़' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने हरी झंडी दिखाकर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारिता केवल एक नारा नहीं, बल्कि जन-आंदोलन है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों, ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जा रहा है।

सहकारिता को हम जन-जन तक पहुंचाएंगे

मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को आर्थिक रूप से समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सहकारिता विभाग ने विगत ढ़ाई वर्ष में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

सहकारिता सप्ताह को जन-आंदोलन बनाया गया

सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता सप्ताह को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया गया है, प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को अधिक सक्षम बनाया जा रहा है, किसानों को समय पर ऋण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। साथ ही सहकारिता के दायरे का विस्तार कर युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों को स्वरोजगार एवं आजीविका के नए अवसरों से जोड़ा जा रहा है।

एक कदम समृद्ध छत्तीसगढ़ की ओर

इस वर्ष की दौड़ सहकारिता की भावना के साथ, एक कदम समृद्ध छत्तीसगढ़ की ओर थीम पर आयोजित की गई। इसका उद्देश्य लोगों में सहयोग, एकता, स्वस्थ जीवनशैली और सामूहिक विकास का संदेश पहुंचाना था।

सुबह 6 बजे मरीन ड्राइव से हुई शुरुआत

सहकार संकल्प दौड़ सुबह 6 बजे तेलीबांधा मरीन ड्राइव से शुरू हुई। इसमें प्रदेशभर से युवा, विद्यार्थी, किसान, सहकारी संस्थाओं के सदस्य, महिला समूहों और विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सहकारिता से समृद्धि और स्वस्थ समाज का संकल्प

मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह दौड़ केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सहकारिता, स्वास्थ्य और सामाजिक सहभागिता का जन-जागरूकता अभियान है। इसका उद्देश्य सहकारिता से समृद्धि, साथ चलें, साथ बढ़ें और स्वस्थ समाज, समृद्ध प्रदेश के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।

इनकी भी रही उपस्थिति

इस अवसर पर अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता, मार्केटिंग फेडरेशन के अध्यक्ष श्री शशिकांत द्विवेदी, राज्य सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी श्री सौरभ शर्मा, सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष श्री अभिनेष कश्यप, अंबिकापुर बैंक के अध्यक्ष श्री रामकृष्ण सिंह, मार्कफेड के एमडी श्री जितेंद्र शुक्ला, अपेक्स बैंक के एमडी श्री के एन कांडे सहित अपेक्स बैंक, नाबार्ड, बुनकर महासंघ और विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ये रहे विजेता

दौड़ में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान बेमेतरा के श्री ओंकार वर्मा, द्वितीय अमलेश्वर के श्री करण साहू और तृतीय स्थान पर श्री खेमराज सोनकर रहे। इसी तरह महिला वर्ग में प्रथम सुश्री मीरा साहू, द्वितीय सुश्री पूर्णिमा साहू और तृतीय स्थान पर सुश्री शिबू वर्मा रही। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः पांच हज़ार, तीन हज़ार और दो हजार रूपए का नगद पुरस्कार प्रदान कियागया। इस पहल से युवाओं और आम नागरिकों में खेल तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी।

सहकारिता से समृद्धि : रायपुर में 'सहकारी सप्ताह' का भव्य समापन

■ **सहकारिता मंत्री कश्यप ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का किया अनावरण**

रायपुर। भारत सरकार द्वारा गठित 'सहकारिता मंत्रालय' की स्थापना के सफल 5 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सहकारी सप्ताह' का भव्य समापन जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के प्रांगण में हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के सहकारिता एवं वन मंत्री श्री केदार कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा बैंक के संस्थापक पं. वामन बलीराम लाखे के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर समारोह की शुरुआत की गई। इसके साथ ही बैंक परिसर में 'छत्तीसगढ़ महतारी' की प्रतिमा का गरिमामय अनावरण भी किया गया।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के उद्बोधन का सीधा प्रसारण

समारोह के दौरान देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के भाषण का यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। अपने संबोधन में श्री शाह ने सहकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलावों का जिक्र किया, जिनमें 50,000 पैक्स (PACS) को ई-पैक्स में बदलना, त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना, दुनिया की सबसे बड़ी अन्न गोदाम श्रृंखला का निर्माण, सहकारी समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) बनाना और देश भर में भारत टैक्सी सेवा की शुरुआत आदि कार्य शामिल हैं।

रायपुर जिला सहकारी बैंक को 216 करोड़ का ऐतिहासिक लाभ

बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO) श्रीमती अपेक्षा व्यास ने प्रगति प्रतिवेदन पढ़ते हुए बैंक की शानदार उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष (31 मार्च 2026) की स्थिति में बैंक को 216 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक सकल लाभ हुआ है।

केंद्र सरकार की 'सहकार से समृद्धि' योजना के तहत बैंक द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्य हैं जिसमें माइक्रो एटीएमः बैंक से जुड़ी 682 सहकारी समितियों और 98 डेयरी समितियों में माइक्रो एटीएम का संचालन।

कॉमन सर्विस सेंटरः समितियों के माध्यम से नागरिकों को 32 जरूरी सेवाएं दी जा रही हैं।

जन औषधि केंद्रः 12 प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा सस्ते इलाज के लिए जन औषधि केंद्रों का संचालन।

उज्ज्वला योजनाः दुर्गम क्षेत्रों की 10 सहकारी समितियों के माध्यम से एलपीजी गैस का वितरण। इसके साथ ही पैक्स का कंप्यूटरीकरण और 132 नवीन सहकारी समितियों का गठन किया गया है।

क्वांटिटी नहीं, क्वॉलिटी खेती पर दें जोरः मंत्री श्री केदार कश्यप- सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में सफल कार्यक्रम के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पैक्स, डेयरी और मत्स्य पालन जैसी लगभग 1300 सहकारी समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करें और जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाएं। उन्होंने कहा कि किसानों को क्वांटिटी (मात्रा) के स्थान पर क्वॉलिटी (गुणवत्ता) वाली खेती पर ध्यान देना चाहिए।

अन्नदाता को कर्ज मुक्त बनाने का संकल्प

विशिष्ट अतिथि और सहकार भारती के प्रदेश महामंत्री श्री कनीराम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से 2021 में सहकारिता मंत्रालय बना, जिसने इस क्षेत्र को नई मजबूती दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इस दिशा में काम करना होगा ताकि हमारे अन्नदाता (किसानों) को कभी कर्ज लेने की आवश्यकता ही न पड़े। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता ने भी सहकारिता के क्षेत्र में पारदर्शिता और कृषि नवाचार पर अपने विचार रखे।

वरिष्ठ जनप्रितिनिधियों की रही गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला सहकारी बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री निरंजन सिन्हा ने सहकारिता मंत्री का आभार व्यक्त किया, वहीं उपाध्यक्ष श्री अभिनेष कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इनकी रही मौजूदगी

इस भव्य समारोह में छग सहकार भारती के महामंत्री श्री कनीराम, छग राज्य सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी सौरभ शर्मा, अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता, जिला सहकारी बैंक दुर्ग के अध्यक्ष श्री प्रीतपाल बेलचंदन, राजनांदगांव के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रवीण दुबे, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री संदीप यदु सहित सहकारिता विभाग की संयुक्त आयुक्त श्रीमती किरण गुप्ता, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के.एन. कांडे और बड़ी संख्या में सहकारी संस्थाओं के अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती अनुराधा शुक्ला द्वारा और आभार प्रदर्शन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी श्री एस.पी. चंद्राकर द्वारा किया गया।

स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा प्रकाशक एवं मुद्रक विवेकानंद झा द्वारा क्वालिटी आफसेट, पुरानी बस्ती, रायपुर से मुद्रित कराकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित 16, पार्क स्ट्रीट-3, चौबे कालोनी रायपुर से प्रकाशित।
संपादक मंडल- विवेकानंद झा (प्रधान संपादक), विवेक पांडे (संपादक), फोन- 0771-4061702, 4031702, 4035702. वेबसाईट www.cgcoop.in E-mail: cgcoopnews@gmail.com